ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, शुक्रवार 03 मई 2024

वर्ष 1 अंक 62

पति-पत्नी के सबंध अप्राकृतिक नहीं:हाईकोर्ट ने कहा-पत्नी के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध सहमति के कारण, नहीं माना जाएगा बलात्कार

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

जबलपुर. पत्नी के द्वारा पति के खिलाफ धारा 377 के तहत की गई एफ़. आई.आर. को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने यह कहते हुए निरस्त कर दिया है कि पत्नी ने पति के खिलाफ जो भी अप्राकृतिक योन शौषण की शिकायत की थी वह सजा योग्य नहीं है। पुलिस के द्वारा पति के खिलाफ की गई एफआईआर को निरस्त करते हुए हाईकोर्ट ने पति को राहत दी है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि पति-पत्नी के बीच सहमति से स्थापित किए गए संबंध अपराध की श्रेणी में नहीं आते है।

हाईकोर्ट जस्टिस जीएस अहलूवालिया की बेंच ने पति की याचिका का निराकरण करते हुए फ़ैसला दिया है। जबलपुर निवासी अतुल (परिवर्तित नाम) का नरसिंहपुर में रहने वाली महिला से 2019 में विवाह हुआ था। विवाह के कुछ दिन बाद से ही पति-पत्नी के बीच विवाद होने लगा। पति और उनके परिवार वालों ने महिला को समझाया पर बात नहीं बनी। महिला ने 2021 में पति सहित उनके पिता, मां और बहन के खिलाफ दहेज मांगने और मारपीट करने की शिकायत नरसिंहपुर जिले के कोतवाली थाने में की। मनीष के द्वारा भी जबलपुर कुटुंब न्यायालय में तलाक के लिए अर्जी लगाई गई, केस अभी चल रहा है। इस बीच महिला ने अतुल (परिवर्तित नाम) के खिलाफ 377,506 आईपीसी के तहत नरसिंहपुर कोतवाली में फिर से शिकायत की। नरसिंहपुर पुलिस ने जीरो पर मामला दर्ज कर केस को जबलपुर भेज दिया। पुलिस के द्वारा अतुल (परिवर्तित नाम) पर लगाई गई धारा 377 को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई ।

जस्टिस जीएस अहलूवालिया की कोर्ट ने यह कहते हुए एफ़.आई.आर. को खारिज कर दिया कि विधिक रूप से विवाहित तथा साथ में रह रहे पति-पत्नी के मध्य स्थापित संबंधों में भारतीय दंड संहिता की धारा 377 के प्रावधान आकर्षित नहीं होते हैं। याचिकाकर्ता के वकील साजिदउल्ला ने बताया कि फरियादी मनीष साहू के खिलाफ उनकी पत्नी ने नरसिंहपुर जिले के कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी कि पति के द्वारा जबरन संबध स्थापित किए गए है। चूंकि दोनों का लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। मनीष के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी, लिहाजा हाईकोर्ट ने यह कहते हुए पुलिस के द्वारा दर्ज की गई एफआईआर को निरस्त कर दिया कि पति-पत्नी जहां पर होते है, वहां पर 377 धारा लागू नहीं होती है।

हाईकोर्ट अधिवक्ता विशाल बघेल ने बताया कि 6 सितंबर 2018 को, माननीय सर्वोच न्यायालय की पाँच जजों की पीठ ने नवतेज सिंह जौहर के मामले में सर्वसम्मति से फ़ैसला दिया था कि सहमति से वयस्कों के बीच यौन संबंधों को अपराध बनाना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 का उल्लंघन है । पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 377, जहां तक यह निजी तौर पर वयस्कों के बीच सहमति से यौन आचरण पर लागू होती है, को असंवैधानिक ठहराया था और इसके साथ, न्यायालय ने सुरेश कौशल बनाम नाज़ फाउंडेशन में दिये गये अपने पूर्व फैसले जिसमें धारा 377 की संवैधानिकता को बरकरार रखा था, को खारिज कर दिया ।

इसके साथ ही भारतीय क़ानून में मैरिटल रेप को अपराध नहीं माना गया है भारतीय दंड संहिता की धारा 375 के अपवाद 2 में पति-पत्नी के मध्य स्थापित यौन संबंधों को बलात्कार की परिभाषा से पृथक रखा गया है, इन्ही दोनों विधिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए माननीय हाईकोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 377 के संबंध में अपने फ़ैसले दिए हैं

PM मोदी बोले- शहजादे को वायनाड से हार का डर

कहा- अमेठी से भागकर रायबरेली पहुंचे, मैं इन्हें कहूंगा- डरो मत, भागो मत

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

बाड़मेर. बाड़मेर लोकसभा के निर्दलीय प्रत्याशी और शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकियां मिली थी। इसके बाद प्रदेश भर में भाटी को सुरक्षा देने की मांग उठने लगी। जयपुर से मिले आदेशानुसार विधायक का एक पीएसओ (पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर) और बढ़ाया है। लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक दो पीएसओ सुरक्षा में तैनात रहेंगे। एक पीएसओ सादा वर्दी और दूसरा वर्दी में साथ रहेगा। एसपी बाड़मेर ने पीएसओ को सुरक्षा के लिए रवाना कर दिया गया है।

दरअसल, 26 अप्रैल को वोटिंग के दौरान कुछ बूथों पर मारपीट, धरना प्रदर्शन और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला था। इस दौरान बायतु थाना पुलिस ने निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी के समर्थकों को गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी के विरोध में 27 अप्रैल को रविंद्र सिंह भाटी अपने समर्थकों के साथ बालोतरा एसपी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान सोशल मीडिया पर रविंद्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकी दी गई थी। हालांकि पुलिस ने एक दिन पहले धमकी देने वाले युवक

को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने फर्जी आईडी बनाकर धमकी दी थी।बाड़मेर लोकसभा के निर्दलीय प्रत्याशी और शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकियां मिली थी। इसके बाद प्रदेश भर में भाटी को सुरक्षा देने की मांग उठने लगी। जयपुर से मिले आदेशानुसार विधायक का एक पीएसओ (पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर) और बढ़ाया है। लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक दो पीएसओ सुरक्षा में तैनात रहेंगे। एक पीएसओ सादा वर्दी और दूसरा वर्दी में साथ रहेगा। एसपी बाड़मेर ने पीएसओ को सुरक्षा के लिए रवाना कर दिया गया है।

दरअसल, 26 अप्रैल को वोटिंग के दौरान कुछ बूथों पर मारपीट, धरना प्रदर्शन और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला था। इस दौरान बायतु थाना पुलिस ने निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी के समर्थकों को गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी के विरोध में 27 अप्रैल को रविंद्र सिंह भाटी अपने समर्थकों के साथ बालोतरा एसपी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान सोशल मीडिया पर रविंद्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकी दी गई थी। हालांकि पुलिस ने एक दिन पहले धमकी देने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने फर्जी आईडी बनाकर धमकी दी थी।

सेंसेक्स में ऊपरी स्तर से 1,217 अंकों की गिरावट:ये 73,878 के स्तर पर बंद हुआ, निफ्टी भी 172 अंक गिरा

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

मुंबई. हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी 3 मई को शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कारोबार के दौरान निफ्टी ने 22,794 का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि, बाद ये यह नीचे आकर 172 अंक की गिरावट के साथ 22,475 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स दिन के हाई 75,095 से 1,217 अंक गिरा। ये 732 अंक की गिरावट के साथ 73,878 के स्तर पर बंद हुआ। इसके 30 शेयरों में से

24 में गिरावट और 6 में तेजी देखने को मिली। ज्यादातर सेक्टर में गिरावट रही NSE के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो ज्यादातर सेक्टर में गिरावट देखने को मिली। निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा 1.03% की गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.98%, निफ्टी PSU बैंक में 0.76%, निफ्टी IT में 0.89% और निफ्टी ऑटो में 0.85% की गिरावट देखने को मिली।

रविंद्र सिंह भाटी की सुरक्षा बढ़ाई, 2 PSO रहेंगे साथ

लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी तक रहेगी एक्स्ट्रा सिक्योरिटी

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

बाड़मेर. बाड़मेर लोकसभा के निर्दलीय प्रत्याशी और शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकियां मिली थी। इसके बाद प्रदेश भर में भाटी को सुरक्षा देने की मांग उठने लगी। जयपुर से मिले आदेशानुसार विधायक का एक पीएसओ (पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर) और बढ़ाया है। लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक दो पीएसओ सुरक्षा में तैनात रहेंगे। एक पीएसओ सादा वर्दी और दूसरा वर्दी में साथ रहेगा। एसपी बाड़मेर ने पीएसओ को सुरक्षा के लिए रवाना कर दिया गया है।

दरअसल, 26 अप्रैल को वोटिंग के दौरान कुछ बूथों पर मारपीट, धरना प्रदर्शन और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला था। इस दौरान बायतु थाना पुलिस ने निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी के समर्थकों को गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी के विरोध में 27 अप्रैल को रविंद्र सिंह भाटी अपने समर्थकों के साथ बालोतरा एसपी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान सोशल मीडिया पर रविंद्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकी दी गई थी। हालांकि पुलिस ने एक दिन पहले धमकी देने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने फर्जी आईडी बनाकर धमकी दी थी।बाड़मेर लोकसभा के निर्दलीय प्रत्याशी और शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकियां मिली थी। इसके बाद प्रदेश भर में भाटी को सुरक्षा देने की मांग उठने लगी। जयपुर से मिले आदेशानुसार विधायक का एक पीएसओ (पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर) और बढ़ाया है। लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक दो पीएसओ सुरक्षा में तैनात रहेंगे। एक पीएसओ सादा वर्दी और दूसरा वर्दी में साथ रहेगा। एसपी बाड़मेर ने पीएसओ को सुरक्षा के लिए रवाना कर दिया गया है।

दरअसल, 26 अप्रैल को वोटिंग के दौरान कुछ बूथों पर मारपीट, धरना प्रदर्शन और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला था। इस दौरान बायतु थाना पुलिस ने निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी के समर्थकों को गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी के विरोध में 27 अप्रैल को रविंद्र सिंह भाटी अपने समर्थकों के साथ बालोतरा एसपी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान सोशल मीडिया पर रविंद्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकी दी गई थी। हालांकि पुलिस ने एक दिन पहले धमकी देने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने फर्जी आईडी बनाकर धमकी दी थी।

RPSC परीक्षा में नकल रोकने लिए हैंडराइटिंग का लेंगे नमूना

अटेंडेंस शीट पर लिखना होगा वाक्य, फोटो की साइज भी होगी बड़ी

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

अजमेर. RPSC (राजस्थान लोक सेवा आयोग) की ओर ओर मई-जून में होने वाली परीक्षाओं में नकल को रोकने के लिए नवाचार किया गया है। इन दो महीनों में 27 विभिन्न विषयों के लिए होने वाली असिस्टेंट प्रोफेसर, लाइब्रेरियन एंड पीटीआई परीक्षा-2023 की परीक्षा होगी। इस परीक्षा से अभ्यर्थियों की हैंडराइटिंग का नमूना भी अटेंडेंस शीट पर लिया जाएगा। आयोग सचिव ने बताया कि एग्जाम 16 मई से शुरू होगा और 2 जून 2024 तक चलेगा। डमी अभ्यर्थियों की संभावना को रोकने के लिए इस परीक्षा से अभ्यर्थियों की हैंडराइटिंग का नमूना भी अटेंडेंस शीट पर लिया जाएगा। इसी प्रकार अटेंडेंस शीट पर अभ्यर्थी की स्पष्ट और बड़ी फोटो प्रिंट की जाएगी ताकि परीक्षा केंद्र पर वीक्षकों की ओर से अभ्यर्थी की पहचान पूर्णतः सुनिश्चित करते हुए डमी अभ्यर्थियों को रोका जा सकें।

अटेंडेंस शीट पर लिया जाएगा हैंडराइटिंग का नमूना

आयोग की ओर से जारी प्रवेश-पत्र के साथ अटेंडेंस शीट भी संलग्न होती है। इस शीट को परीक्षा केंद्र पर वीक्षक अभ्यर्थी की पहचान कर स्वयं के, केंद्राधीक्षक और अभ्यर्थी के हस्ताक्षर करवाकर प्रवेश-पत्र से अलग कर केंद्र पर जमा करते हैं। परीक्षा पूरी होने के बाद यह अटेंडेंस शीट परीक्षा सामग्री के साथ आयोग को भेजी जाती है। परीक्षार्थी को अटेंडेंस शीट के निचले भाग में दिए गए स्थान पर एक्जामिनर

की उपस्थिति में एक वाक्य लिखना होगा। इसके बाद अभ्यर्थी अपने हस्ताक्षर कर स्वयं के की ओर से लिखे गए वाक्य की पुष्टि करेगा।

सम्पादकीय - अधिकार और सीमा

स्वतंत्र लेखक

इसमें कोई दोराय नहीं है कि अगर कोई व्यक्ति कानून के विरुद्ध काम करता है तो उस पर कार्रवाई होना चाहिए। मगर कानून को अमल में लाने वाली कोई एजेंसी अगर अपने अधिकारों को असीमित मानने लगे और उसके रवैये से मनमानी का संकेत मिलने लगे तो सवाल उठना स्वाभाविक है। पिछले कुछ समय से प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की सक्रियता ने सबका ध्यान आकृष्ट किया है और यह धारणा बनी है कि भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी आई है। मगर इसके साथ ही विपक्षी दलों ने कई बार सवाल उठाए हैं कि ईंडी अपने अभियानों में सुविधा और आग्रहों के मुताबिक चुने हुए लोगों के खिलाफ कार्रवाई करती है और उसकी सक्रियता में एक खास तरह का आग्रह दिखता है। विपक्षी पार्टियों के आरोपों को यह मान कर नजरअंदाज कर दिया जा सकता कि वे अपने दल से संबंधित आरोपियों के बचाव में ईडी को कठघरे में खड़ा करती हैं। मगर यह भी सच है कि कई मौके पर खुद अदालतों की ओर से ईडी की कार्यशैली पर अंगुली उठाई गई है। सवाल है कि किसी कानून पर अमल को लेकर ईडी अगर ईमानदार है, तो बार-बार विपक्षी दलों से लेकर अदालतों तक की ओर से उसकी मंशा पर अंगुली क्यों उठ रही है! बुधवार को नौकरी के बदले जमीन के आरोपों से जुड़े एक मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट की एक विशेष अदालत ने ईडी को फटकार लगाई और उसकी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह एक जांच एजंसी के रूप में कानून के नियमों से बंधी है और वैसे आम नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं कर सकती, जो संदिग्ध तक नहीं है। जाहिर है, यह ईडी के कामकाज के तौर-तरीकों पर एक बार फिर गहरा सवालिया निशान है, जो उसकी साख को कसौटी पर रखता है। अगर इससे शासन के काम का एक ढांचा तैयार होता है तो उसका लोकतंत्र और जनता के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। विडंबना यह है कि ईडी के रवैये की वजह से पिछले कुछ समय से इस संबंध में कई सवाल उठे हैं। शायद इसी वजह से अदालत ने यह भी कहा कि इतिहास से कोई सबक सीखना है तो यह देखना चाहिए कि मजबूत नेता, कानून और एजेंसियां आमतौर पर उन्हीं नागरिकों को निशाना बनाती हैं, जिनकी रक्षा का वे संकल्प लेती हैं। इस टिप्पणी को जनता के अधिकार और राज्य के कर्तव्य के संदर्भ में देखा जा सकता है, जिसमें उम्मीद की जाती है कि लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन नहीं किया जाएगा। करीब एक वर्ष पहले सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी ईडी को यह सलाह दी गई थी कि वह अपनी कार्यशैली से भय का माहौल पैदा न करे। शीर्ष अदालत की टिप्पणी इस बात का इशारा थी कि एजेंसी को राजनीतिक विरोधियों पर लगे आरोपों की जांच को लेकर संतुलित रुख अख्तियार करने की जरूरत है। आखिर ऐसी शिकायतों की नौबत क्यों आनी चाहिए कि किसी एजंसी के अधिकारियों के पेश आने का तरीका कई बार भयादोहन की तरह लगने लगता है। इस तरह के व्यवहार का एक स्वाभाविक नतीजा यह होता है कि वास्तविक कारण भी संदिग्ध लगने लगते हैं। ऐसे में ईडी के सामने यह विचार करने का वक्त है कि विपक्षी दलों से लेकर अदालतों तक के बीच उसकी कार्यशैली को लेकर जैसी राय बन रही है, वह उसकी साख को किस हद तक प्रभावित कर रही है और उसे अपने तौर-तरीके में क्या सुधार करने कीजरूरत है।

जानलेवा शौक

अपनी दिलचस्पी या फिर खुशी के लिए कुछ अलग करने का शौक सामान्य तौर पर सकारात्मक माना जाता है। मगर इस तरह के शौक में कोई अपना विवेक या सूझ- बूझ की क्षमता ही खो दे, तो यह न सिर्फ एक बेमानी चलन की भेड़चाल में शामिल होना है, बल्कि जानलेवा जोखिम को न्योता देना भी है। जब से स्मार्टफोन के साथ हर हाथ में कैमरा पहुंचा है, तब से काफी लोगों के भीतर एक विचित्र- सी मनोदशा का विकास होता देखा जा सकता है, जिसमें वे मौके-बेमौके बिना किसी मायने के अपनी तस्वीरें उतारते रहते हैं। इसका विस्तार सोशल मीडिया पर खुद को अभिव्यक्त करने के रूप में हुआ और हर वक्त अपनी तस्वीर या फिर वीडियो बना कर प्रसारित कर देना मानो किसी जरूरी काम की तरह देखा जाने लगा। विडंबना यह है कि इस शौक ने विवेक को जिस बुरी तरह प्रभावित किया, उसका खमियाजा केवल आपसी व्यवहारों के स्तर पर नहीं उठाना पड़ा, बल्कि इस वजह से मौत की घटनाएं भी बढ़ती गई हैं। आए दिन ऐसी खबरें आती हैं कि सोशल मीडिया पर रील के आकर्षण में वीडियो बनाने की कोशिश में हादसे का शिकार होकर किसी युवा की जान चली गई। ये नाहक और बिना किसी कारण के होने वाली मौतें हैं, जिनके पीछे महज विवेकशून्य होकर अपने किसी शौक को पूरा करने की भूख मुख्य वजह है। हरिद्वार में बुधवार को बीस वर्ष की एक छात्रा ने रेल की पटरी पर रील बनाने की कोशिश की और उसी समय आई ट्रेन की चपेट में आ गई। उसकी जान चली गई। जिस बच्ची को अभी पढ़ाई-लिखाई करनी थी, खेलना-कूदना था और भविष्य बेहतर बनाने के सपने देखने थे, वह सिर्फ रील बनाने के शौक में मारी गई। इस तरह की घटनाओं का एक सिलसिला-सा चल पड़ा है। ऐसा लगता है कि विवेक का उपयोग करने के बजाय इस तरह की भेड़चाल में शामिल हो गए लोगों के पास सही वक्त पर फैसला लेने की क्षमता भी नहीं बचती और इसी क्रम में वे किसी जानलेवा हादसे का शिकार हो जाते हैं। आधुनिक तकनीकों की उपयोगिता हमारी जीवन स्थितियों में गुणात्मक सुधार लाती है, लेकिन बेलगाम और गैरजरूरी तरीके से इसके इस्तेमाल में डूब जाना वक्त बर्बाद करने का जरिया बनने से लेकर जानलेवा तक साबित हो सकता है।

बस्ती-बस्ती पानी की तलाश हुई खत्म, उदयपुर और सलूंबर रेंज के वन्यजीवों को मिली नए वॉटरहॉल की सौगात

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

मौसम बदलते ही जंगल में जानवर पानी की तलाश में भटकने लगे हैं। जहां रोज पानी पीते हैं वे सब वाटरहॉल सूखने लगे हैं। कई बार यह तलाश बस्तियों में आकर खत्म हो रही है। इससे इन्सानों और जानवरों में सीधे मुकाबले की संभावना बन रही है। कई जगह वाटरहॉल इतने पुराने हो गए हैं कि अब वे मरम्मत मांग रहे हैं। जंगली जानवरों को इन्सानों से बस इतनी मदद चाहिए कि उनके पीने के पानी का अच्छे से बंदोबस्त कर लिया जाए। और उस टेरीटरी को छोड़ दिया जाए जो उनके घूमने फिरने और शिकार के लिए जरूरी हैं। वन विभाग ने तपती गर्मी में जानवरों की प्यास बुझाने के लिए अब एक नई पहल की है। जानवरों को अब पानी की तलाश में नहीं भटकनरा पड़ेगा। उन्हें जंगल में थोड़ी सी दूरी पर ही नए वाटरहॉल में पीने का पानी मिल जाएगा। उदयपुर और सलूंबर वन विभाग नए वाटर हॉल तैयार करने का काम शुरू कर दिया है। नए वाटरहॉल याने कि जानवरों के पीने के पानी की नई प्राकृतिक प्याउ जहां वे तसल्ली से आकर पानी पी सकते हैं। आपको बता दें कि अरावली के डेन्स फोरेस्ट के बीच उदयपुर और सलूंबर रेंज में पैंथर, चीतल, सांभर, चिंकारा, जंगली सूअर, जरख, सियार, लोमड़ी, सिवेट, सेही, अजगर, खरगोश, लंगूर, जंगल कैट, नीलगाय आदि की मौजूदगी है। पक्षियों में पेंटेड फ्रेंकोलिन और सेंडग्राउज भी यहां काफी तादाद में हैं। .इन सबका एक ईको सिस्टम और जंगल का कानून है। इसमें इंसानी दलखल की कोई जरूरत नहीं है। इन सबकी पेयजल सेवा के लिए विशेष तकनीक पर कार्य किया जा रहा है।

उप वन सरक्षक वन विभाग मुकेश सैनी कहते हैं कि उदयपुर और सलूंबर के जंगलों में खास तौर प्राकृतिक जल स्त्रोत और नए वॉटर हॉल से पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। जिन जगहो पर वन्यजीवों के आवाजाही अक्सर होती है, वहां पर नए वाटर-हॉल बन रहे हैं। सभी वॉटर हॉल में सोशल वर्कर्स की मदद से फोरेस्ट डिपार्टमेंट टैंकर के माध्यम से वाटर स्पलाई करने जा रहा है। केवड़ा फॉरेस्ट एरिया में 6 जगह वॉटर हॉल बनकर तैयार हैं। अब जानवरों को पानी की तलाश में जंगल की बाउंड्री को क्रॉस करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने लोगों से वन्यजीवों के नेचुरल हेबिटाट को प्रभावित नहीं करने की भी अपील की।

गिर्वा तहसील दफ्तर में निंद्रासन, ये बेचारा, काम के बोझ का मारा...

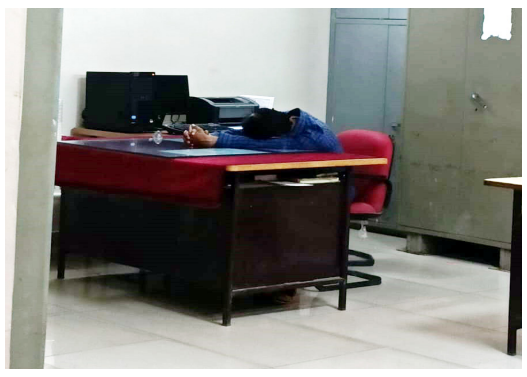

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। दोपहर की धूप और लंच के बाद का समय नींद के लिहाज से बड़ा ही मुफीद होता है। उसमें भी फुर्सत के पल हों तो नीद को गहराते पलक झपकने तक का वक्त नहीं लगता। उसके बाद यदि दफ्तर में नौकरी सरकारी हो तो कहने ही क्या। आज कलेक्ट्रेट के पास गिर्वा तहसील कार्यालय में एक कार्मिक भरी दोपहरी में लंच के बाद टेबल पर दीन दुनिया से बेखबर नींद के आगोश में कुछ यूं दिखाई दिया। इस नींद के दो मायने हो सकते हैं। या तो फुर्सत के पल इतने ज्यादा हैं कि संभाले नहीं संभल रहे। या फिर काम का बोझ इस कदर है कि थकान के चलते ऐसा मंजर पेश आ रहा है जो हम सबमें से किसी के भी साथ पेश आ सकता हैं। दूसरी संभावना ज्यादा दिखाई दे रही हैं। इस दफ्तर में अफसर की कुर्सी भी खाली पड़ी है। आज एक जागरूक शहरवासी ने यह नजारा कैमरे में कैद किया जिसे हम इस मनोभावना के साथ पेशे नजर कर रहे हैं कि कलेक्टर साहब मातहत अफसरों को लगातार अमृत रूपी चाय की आपूर्ति नियमित अंतराल पर सुनिश्चित करने का अनंतकालीन आदेश फरमाएं ताकि सरकारी महकमों को नींद के प्रकोप से बचाया जा सके। वैसे बात-बात में जनता के सपने नींदों में घुल जाने और पूरे सिस्टम के ही नींद में होने की बातें भी होती रहती हैं, हालांकि उसका कोई कारगर इलाज नहीं है।

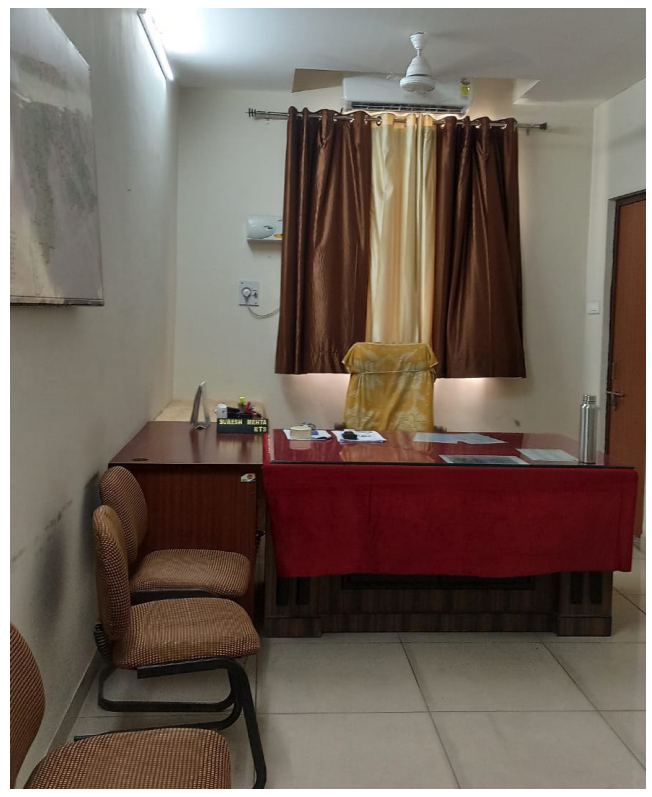

माता रही पुकार, दोनों समाज एक होकर खोलो मेरे द्वार, खिमच माता मंदिर पर क्यों हैं ताले?

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

देवाली स्थित खिमच माता मंदिर इन दिनों पुलिस के ताले में बंद है। मामला दो समाजों का है इसलिए पुलिस भी समझाइष के आधार पर ही कोई सर्व सम्मत निर्णय करना चाहती है। मामला क़रीब कई सालों से चला आ रहा है। गमेती और मेघवाल समाज में इस मंदिर को लेकर विवाद चल रहा है। एक तरफ़ गमेती समाज कहता है कि मंदिर हमारा है तो दूसरी तरफ मेघवाल समाज भी मंदिर उनका होने का दावा करता है। बस यही विवाद कई सालों से सुलझ ही नहीं रहा है। इसी विवाद के चलते क़रीब तीन महीने पहले मेघवाल समाज की ओर से मंदिर पर ताला लगा दिया गया था। उसके बाद 24 अप्रैल को चोरों ने मौका पाकर मंदिर का ताला तोड़ दिया। मंदिर का ताला टूटने के बाद गमेती समाज ने एक बार फिर ताला लगाने पर विरोध करना शुरू कर दिया। उनका कहना था कि अब मंदिर को खुला रखा जाए। उस दौरान मामला इतना ज्यादा बढ़ गया कि अंबामाता पुलिस मौके पर पहुंची। समझाइष काम नहीं आई और मंदिर पर ताला एक बार फिर से लगा दिया गया। लेकिन दो समाज के विवाद के चलते आम दर्शनार्थियों के मन में टीस रह गई कि काष वे माता रानी के दर्षन का लाभ ले पाते। ऐसे में वे बाहर से ही माथा टेक कर मां से विनती करते हुए चले जाते है। भक्तों को उम्मीद है कि दोनों समाज मिलकर जल्दी ही कोई सम-झदारी भरा फैसला करेंगे। इस बारे में बताया जा रहा है कि संडे को दोनों समाजों की बैठक होनी है जिसमें कोई पॉजिटिव हल निकलने की तैयारी है। हम भी आग्रह करते हैं कि दर्षन निर्बाध होते रहने चाहिए। माता रानी की कृपा से आपसी मसलों का भी स्वतः समाधान हो जाएगा।

राहुल गांधी ने रायबरेली से दाखिल किया नामांकन, खड़गे, सोनिया गांधी, प्रियंका, रहे साथ

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट, ब्यूरो। नामांकन के आखिरी दिन शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली नामांकन दाखिल किया तो गांधी परिवार के करीबी केएल शर्मा को पार्टी ने अमेठी से मैदान में उतारा गया। उनके साथ सोनिया गांधी, बहन प्रियंका गांधी, जीजा रॉबर्ट वाड्रा मौजूद रहे। किशोरी लाल शर्मा ने भी अमेठी से नॉमिनेशन कर दिया है। इससे पहले शुक्रवार सुबह 9 बजे राहुल परिवार के साथ दिल्ली से रायबरेली के लिए रवाना हुए। साढ़े 10 बजे अमेठी-रायबरेली बॉर्डर पर स्थित फुरसतगंज एयरपोर्ट पर उतरे। यहां भव्य स्वागत हुआ। एयरपोर्ट से सोनिया, राहुल और रॉबर्ट वाड्रा रायबरेली कांग्रेस कार्यालय गए। प्रियंका और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत भी अमेठी पहुंच व किशोरी लाल के साथ रोड शो किया। प्रियंका ने कहा- हम अमेठी में एक बार फिर सच्चाई और सेवा की राजनीति वापस लाना चाहते हैं। अब मौका आ गया है। ये आपका चुनाव है, आप लड़ेंगे, आप जिताएंगे। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा- मेहमानों का स्वागत है। हम लोग अतिथियों के स्वागत में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। अमेठी से गांधी परिवार का न लड़ना, इस बात का संकेत है कि कांग्रेस पार्टी चुनाव में वोट पड़ने से पहले ही अमेठी से अपना हार स्वीकार कर चुकी है। पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा- राहुल को अमेठी लड़ना चाहिए था। अमेठी से भागने से कांग्रेस के कार्यकर्ता-ओं और पूरे देश में ये संदेश जाएगा कि जो आदमी रोज पीएम नरेंद्र मोदी को चुनौती देता था, रोज अपने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और देश की जनता से कहता था कि डरो मत, वो खुद डर गया। मुझे लगता है कि ये कांग्रेस का दुर्भाग्य है।" कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ग् पर लिखा कहा- राहुल गांधी राजनीति और शतरंज के मंजे खिलाड़ी हैं। सोच समझ कर दांव चलते हैं। ऐसा निर्णय पार्टी के नेतृत्व ने बहुत विचार विमर्श करके बड़ी रणनीति के तहत लिया है। इस निर्णय से ठश्रच्, उनके समर्थक और चापलूस धराशाई हो गए हैं। उनको समझ नहीं आ रहा अब क्या करें? इधर, अमेठी से किशोरीलाल का उतारा गया है। किशोरी लाल मूल रूप से पंजाब के लुधियाना के रहने वाले हैं। वह 1983 में पहली बार राजीव गांधी के साथ रायबरेली और अमेठी आए थे। 1991 में राजीव की मौत के बाद गांधी परिवार से उनके रिश्ते पारिवारिक हो गए। इसके बाद कभी शीला कौल तो कभी सतीश शर्मा के राजनीतिक कामों को देखने वह अमेठी-रायबरेली आते रहते थे।

अस्पताल में गंदगी देख नाराज हुए विधायक गणेश घोगरा एक्सपायरी दवा देने के मामले में जांच के निर्देश, मरीजों का जाना हाल

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर.डूंगरपुर से कांग्रेस विधायक गणेश घोगरा ने शुक्रवार को डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। विधायक ने अस्पताल के वार्डों में 4 दिन में बैडशीट बदलने, बाहर से दवा मंगवाने और जांचें करवाने की शिकायतों पर नाराजगी जताई। विधायक ने अस्पताल प्रशासन से व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए। विधायक गणेश घोगरा ने डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के जिला अस्पताल के अंतर्गत मातृ एवं शिशु अस्पताल, ओपीडी, महिला एवं पुरुष वार्ड, दवा वितरण केंद्रों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वार्डों में गंदगी देखने को मिली। जिस पर विधायक ने नाराजगी जताई और सफाई के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक घोगरा ने वार्डों में भर्ती मरीजों से बात कर उनका हाल जाना। वहीं सुविधाओं की जानकारी ली। मरीजों ने चार-चार दिन तक बैडशीट नहीं बदलने, अधिकतर दवाएं बाहर से मंगवाने और जांचें बाहर से करवाने की शिकायत की। विधायक ने दवा केंद्र पर गुरुवार को एक मरीज को एक्सपायरी दवा देने की शिकायत पर नाराजगी जताई। जिला अस्पताल के डिप्टी कंट्रोलर डॉ. महेंद्र परमार से एक्सपायरी दवा के वितरण के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने बताया कि जिस कार्मिक ने दवा दी थी, उस संविदा कर्मी की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। इस दौरान विधायक ने एक्सपायरी दवाओं के वितरण में मिलीभगत के आरोप लगाते हुए मामले की जांच की मांग की। वहीं इस मौके पर बाहर से दवा और जांच करवाने के मामले में विधायक ने अस्पताल प्रशासन को व्यवस्था-एं सुधारने के निर्देश दिए।

सुविवि में स्थायी को कूल-कूल, अस्थायी को चक्की पिसिंग वाला ट्रीटमेंट

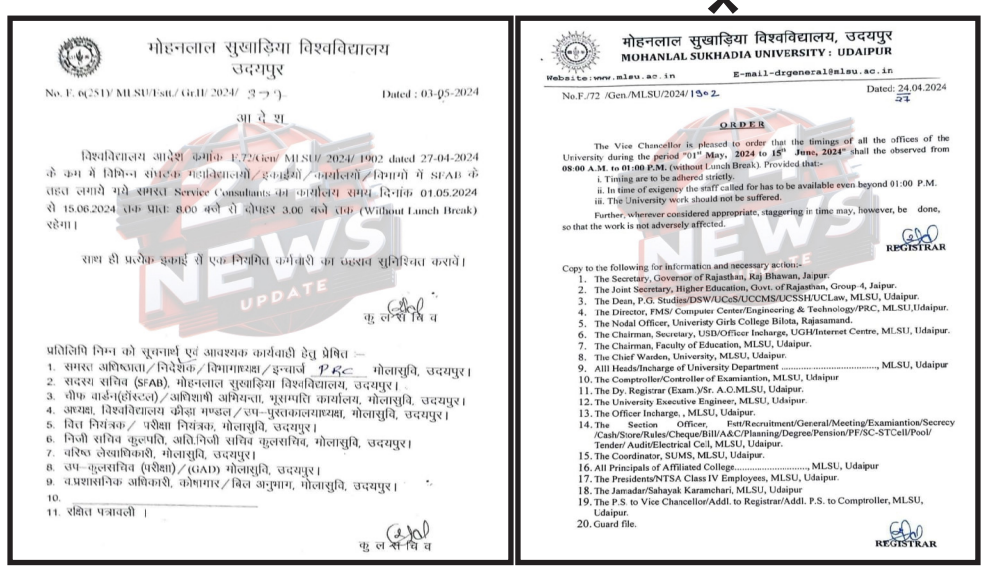

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय
उदयपुर

No. F. 6(251)/ MLSU/Estt./ Gr.II/ 2024/ 377 — Dated : 03-05-2024

आ दे श

विश्वविद्यालय आदेश क्रमांक F.72/Gen/ MLSU/ 2024/ 1902 dated 27-04-2024 के क्रम में विभिन्न संघटक महाविद्यालयों/इकाईयों/कार्यालयों/विभागों में SFAB के तहत लगाये गये समस्त Service Consultants का कार्यालय समय दिनांक 01.05.2024 से 15.06.2024 तक प्रातः 8.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक (Without Lunch Break) रहेगा।

साथ ही प्रत्येक इकाई से एक नियमित कर्मचारी का ठहराव सुनिश्चित करावें।

कुलसचिव

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. समस्त अधिष्ठाता/निदेशक/विभागाध्यक्ष/इन्चार्ज PRC मोलासुवि, उदयपुर।
2. सदस्य सचिव (SFAB), मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
3. चीफ वार्डन(हॉस्टल)/अधिशाषी अभियन्ता, भूसम्पति कार्यालय, मोलासुवि, उदयपुर।
4. अध्यक्ष, विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल/उप-पुस्तकालयाध्यक्ष, मोलासुवि, उदयपुर।
5. वित्त नियंत्रक/ परीक्षा नियंत्रक, मोलासुवि, उदयपुर।
6. निजी सचिव कुलपति, अति.निजी सचिव कुलसचिव, मोलासुवि, उदयपुर।
7. वरिष्ठ लेखाधिकारी, मोलासुवि, उदयपुर।
8. उप-कुलसचिव (परीक्षा)/(GAD) मोलासुवि, उदयपुर।
9. व.प्रशासनिक अधिकारी, कोषागार/बिल अनुभाग, मोलासुवि, उदयपुर।
10.
11. रक्षित पत्रावली ।

कुलसचिव

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY : UDAIPUR

Website:www.mlsu.ac.in — E-mail-drgeneral@mlsu.ac.in

No.F./72 /Gen./MLSU/2024/1902 — Dated: 24.04.2024 (27)

ORDER

The Vice Chancellor is pleased to order that the timings of all the offices of the University during the period "01st May, 2024 to 15th June, 2024" shall the observed from 08:00 A.M. to 01:00 P.M. (without Lunch Break). Provided that:-

i. Timing are to be adhered strictly.
ii. In time of exigency the staff called for has to be available even beyond 01:00 P.M.
iii. The University work should not be suffered.

Further, wherever considered appropriate, staggering in time may, however, be done, so that the work is not adversely affected.

REGISTRAR

Copy to the following for information and necessary action:-

1. The Secretary, Governor of Rajasthan, Raj Bhawan, Jaipur.
2. The Joint Secretary, Higher Education, Govt. of Rajasthan, Group-4, Jaipur.
3. The Dean, P.G. Studies/DSW/UCoS/UCCMS/UCSSH/UCLaw, MLSU, Udaipur.
4. The Director, FMS/ Computer Center/Engineering & Technology/PRC, MLSU,Udaipur.
5. The Nodal Officer, Univeristy Girls College Bilota, Rajasamand.
6. The Chairman, Secretary, USB/Officer Incharge, UGH/Internet Centre, MLSU, Udaipur.
7. The Chairman, Faculty of Education, MLSU, Udaipur.
8. The Chief Warden, University, MLSU, Udaipur.
9. Alll Heads/Incharge of University Department ...., MLSU, Udaipur
10. The Comptroller/Controller of Examiantion, MLSU, Udaipur
11. The Dy. Registrar (Exam.)/Sr. A.O.MLSU, Udaipur.
12. The University Executive Engineer, MLSU, Udaipur.
13. The Officer Incharge, , MLSU, Udaipur.
14. The Section Officer, Estt/Recruitment/General/Meeting/Examiantion/Secrecy /Cash/Store/Rules/Cheque/Bill/A&C/Planning/Degree/Pension/PF/SC-STCell/Pool/ Tender/ Audit/Electrical Cell, MLSU, Udaipur.
15. The Coordinator, SUMS, MLSU, Udaipur.
16. All Principals of Affiliated College.............................., MLSU, Udaipur
17. The Presidents/NTSA Class IV Employees, MLSU, Udaipur.
18. The Jamadar/Sahayak Karamchari, MLSU, Udaipur
19. The P.S. to Vice Chancellor/Addl. to Registrar/Addl. P.S. to Comptroller, MLSU, Udaipur.
20. Guard file.

REGISTRAR

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। मजदूर दिवस चला गया मगर अस्थायी रूप से बरसों से काम करने वालों की परेषानियां कम नहीं हुईं। सर्दी हो या गर्मी, सबका असर परमानेंट कर्मचारियों पर ही पड़ता है व उनकी सुविधाओं में कहीं कमी नहीं आती है लेकिन जैसे ही बात टेम्परेरी कर्मचारी की आती है नियम बदल जाते हैं, सोच बदल जाती है और गर्मी में भी सर्दी का अहसास होने लग जाता है। मामला सुखाड़िया विष्वविद्यालय का है। यहां पर दो आदेशों ने साफ कर दिया है कि अस्थायी कर्मचारियों को गर्मी में अधिक देर तक काम करना है जबकि स्थायी कर्मचारियों को इसी कालखंड में रियायत है। चर्चा हो रही है व कहा जा रहा है कि क्या करें, हम तो अस्थायी हैं, क्या हम जैसे मजदूर वर्ग को गर्मी नहीं लगती है। एक तरफ 27.4.2024 को ऑर्डर निकाला गया कि गर्मी में सुबह 8.00 से 1.00 का समय रहेगा वही दूसरा ऑर्डर आज निकला। इसमें समय है सुबह 8.00 से 3.00 बजे तक का। संविदाकर्मियों या एसएफएबी वालों को 7 घंटे की नौकरी भी करनी है और इस दौरान खाना भी खाना है। इस आदेश के बाद यह तो तय हो गया है कि सुविवि में परमानेंट वालों को अलग ट्रीटमेंट मिलता है जबकि अस्थायी कर्मचारियों को चक्की पिसिंग वाला ट्रीटमेंट।

CM मोहन यादव बोले-हम मोदी जी के पट्ठे हैंःकहा-मेरी विधानसभा में 500 यादव भी नहीं, फिर भी पार्टी ने मुझे मौका दिया

24 न्यूज अपडेट

भोपाल. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम डरने वाले नहीं हैं। डरने वाले, डरते होंगे...हम नहीं डरते। हम मोदी जी के पट्ठे हैं। मोदी जी की सरकार में इस बात को जोर-शोर से रखते हैं कि जो सनातन धर्म को गाली देने वाले हैं उनसे हिसाब चुकता करने के लिए जनता तैयार है। वे शुक्रवार को उत्तरप्रदेश के बदायूं लोकसभा के गुन्नौर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में सभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के नेताओं पर निशाना साधा।

मेरी विधानसभा में 500 यादव नहीं, फिर भी सीएम बनाया

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा- तीन-चार दिन बाद वोट डलने वाले हैं। यहां यदुवंशियों की बड़ी संख्या बैठी हुई है। यह हमारा सौभाग्य भी है कि हम ऐसे भगवान श्री कृष्ण से जुड़ते हैं जिन्होंने सदैव धर्म मार्ग पर चलना सिखाया। कभी धर्म से समझौता नहीं किया। सीएम ने कहा- मैं जिस जगह से आता हूं उस विधानसभा में आप 500 यादव भी नहीं हैं। उसके बावजूद भी आपके इस भाई को भाजपा मौका देती है। और मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाती है। इसीलिए मैं आप लोगों से भाजपा से जुड़ने की बात कहता हूं। भाजपा केवल कहती नहीं है सबका साथ- सबका विकास, यह करके दिखाती है।

लव मैरिज पड़ी भारी, लड़के की नाक काटी, हाथ-पैर तोड़े, लड़की का अता-पता नहीं

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जोधपुर। लड़की के लव मैरिज कर लेने से खफा परिवारजनों ने लड़के के हाथ-पैर तोड़ दिए, उसकी नाक काट दी व लड़की को अपने साथ लेकर चले गए। परिजन कल रात को दोनों के घर पहुंचे और विश्वास दिलाया कि वे अपनाना चाहते हैं, शादी के बाद राजीनामा करना चाहते हैं इस पर दोनों भी खुश हुए और पाली जिले के ट्रांसपोर्टनगर थाना इलाके से रात 9 बजे कार में उनके साथ रवाना हुए। रास्ते में लड़के के परिजनों ने चलती कार में लड़के को जमकर पीटा और गांव में पहुंच हाथ-पैर तोड़ दिए। चाकू से नाक काटकर फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि जोधपुर के झंवर थाना इलाके के झंवर गांव निवासी चेलाराम टांक (23) पुत्र भंवरलाल ने दो महीने पहले गांव की लड़की से कोर्ट मैरिज कर ली। लड़की के परिजनों ने गुमशुदगी का मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने पकड़ा तो दोनों ने कोर्ट मैरिज के दस्तावेज दिखाए व साथ रहने की बात कही। इसके बाद दोनों पाली की इंद्रा कॉलोनी विस्तार में 4 हजार रुपए में किराए का रूम लेकर रहने लगे। लड़के का भाई सूजाराम भी परिवार के साथ रहता था। भाई मजदूरी करता है। लड़की के परिजनों को जब चेलाराम का

एड्रेस पता चला तो कार लेकर 5-7 परिजन पाली आ गए। रात 9 बजे 2 लड़के चेलाराम के घर आए और कहा कि शादी हो गई अब कैसा बैर, परिवार दोनों को अपनाना चाहता है। उन्होंने दोनों को झंवर गांव चलने का आग्रह किया। कार में पहले से 3-4 लोग बैठे हुए थे। पाली-जोधपुर हाईवे पर आते ही चेलाराम से मारपीट शुरू हो गई जो गांव आने तक जारी रही। गांव में सुनसान जगह पर सबने मिलकर लड़के के हाथ पैर तोड़े। फिर एक पीपल के पेड़ के नीचे चाकू से नाक काटकर लहूलुहान हालत में छोड़ गए। लड़की को वे अपने साथ लेकर चले गए। युवक ने बमुश्किल भाई को सूचना दी। उसे जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में गंभीर हालत में भर्ती करवाया गया है।

ट्रांसफर हुए पटवारी ने ऑफिस में लगा दिया था लॉकःग्रामीण होते रहे परेशान, ढाई महीने बाद नायब तसहीलदार ने तोड़ा ताला

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. कुर्सी और पद का मोह सिर्फ राजनेताओं को ही नहीं बल्कि अधिकारियों को भी होता है। ऐसा ही एक मामला भदेसर के बागुण्ड में देखने को मिला। एक पटवारी का लगभग ढाई महीने पहले ट्रांसफर हो जाने के बावजूद अपने ऑफिस से मोह नहीं टूटा। पटवारी का भीलवाड़ा ट्रांसफर हो गया, लेकिन उनकी जगह नियुक्त हुए गिरवर सिंह को बिना चार्ज दिए पटवार भवन में ताला लगाकर चाबी अपने पास ही रख ली। अन्य अधिकारियों के बार बार मांगने पर भी चाबी नहीं दी। इससे ग्रामीणों को रोज-रोज परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

शुक्रवार को उच्च अधिकारियों के आदेश पर नायब तहसीलदार वहां पहुंचे और ताला तोड़ दिया। ग्रामीणों में एक तरफ जहां खुशी देखी गई। वहीं, उन्होंने रोष भी जताया। बोले- जो ताला आज टूटा वो ढाई महीने पहले भी टूट सकता था। ढाई महीने से अटका हुआ काम अब चालू किया गया।

पद का मोह, चाबी लेकर चले गए ट्रांसफर हुए पटवारी

भदेसर क्षेत्र के ग्राम पंचायत बागुंड में पटवार भवन लगभग ढाई महीने से बंद था, जिसे आज खोल दिया गया। पटवारी श्याम सुंदर वैष्णव का 22 फरवरी को भीलवाड़ा ट्रांसफर हो गया था। पटवारी ने पटवार भवन में ताला लगाकर चाबी अपने पास ही रख ली। उन्होंने भीलवाड़ा में भी ज्वाइन नहीं किया। उनकी जगह गिरवर सिंह को नियुक्त किया गया था। लेकिन श्याम सुंदर वैष्णव ने उन्हें चार्ज सौंपा ही नहीं, जिसके कारण गिरवर सिंह यह पद ग्रहण नहीं कर पाए। ढाई महीने से ग्रामीण भी अपने कामों को लेकर चक्कर लगाते रहे। लेकिन उनका सारा काम अटका रहा। पटवारी श्याम सुंदर वैष्णव से कई बार चाबी मांगने पर भी नहीं दी गई। काम प्रभावित होते देख कई ग्रामीणों ने महिला सरपंच नारायणी बाई और उच्च अधिकारियों को इसकी शिकायत की। लगातार शिकायतों के बाद आज प्रशासन की नींद खुली।

पत्नी को एग्जाम दिलाने जा रहे पति की मौतःतेज रफ्तार ट्रक ने कुचला, ऊपर से निकला टायर, परिवार का इकलौता बेटा था

24 न्यूज अपडेट

बीकानेर. तेज रफ्तार ट्रक ने आज सुबह युवक को कुचल दिया। ट्रक का टायर युवक के ऊपर से निकल गया और मौके पर ही मौत हो गई। वह परिवार का इकलौता बेटा था। हादसे में उसकी पत्नी भी घायल हो गई। हादसा बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ का है, जिसमें लिखमादेसर गांव का रहने वाला हरिराम (27) पुत्र देवनाथ गोदारा सिद्ध की मौके पर ही मौत हुई है। सूचना पर हैड कॉन्स्टेबल देवाराम मौके पर पहुंचे। आपणो गांव सेवा समिति के सेवादारों और हाइवे पेट्रोलिंग टीम ने शव और घायल को सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया। युवक अपनी पत्नी विमला महिया बीएड की परीक्षा दिलवाने सींथल जा रहा था। हेमासर स्टैंड के आगे बीकानेर की तरफ से आ रहे ट्रक ने उसे उसकी बाइक को टक्कर मार दी। बाइक से नीचे गिरते ही ट्रक का टायर उसके ऊपर से निकल गया। पुलिस की सूचना पर दोनों के परिवार वाले हॉस्पिटल पहुंचे।

दो साल पहले हुई थी शादी

युवक अपने परिवार का इकलौता बेटा था। युवक की शादी भी दो साल पहले जोगलिया जेतासर की विमला महिया से हुई थी। उनका परिवार भी हॉस्पिटल पहुंचा।

छत से गिरे विदेशी युवक की मौतः दरीबा माईंस में रहता था, रेलमगरा पुलिस ने विदेश मंत्रालय को भेजी रिपोर्ट

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद. राजसमंद के दरीबा माईंस में कार्यरत विदेशी युवक की मौत के मामले मे रेलमगरा पुलिस ने विदेश मंत्रालय को रिपोर्ट भेजी है। रेलमगरा उपखण्ड क्षेत्र में स्थित दरीबा माईंस में कार्यरत पेरू के 38 वर्षीय लुइस एंजेल दो मई की रात को कंपनी के मकान की छत पर घूमते समय नीचे गिर गया। उसे हॉस्पीटल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद रेलमगरा थाना प्रभारी के साथ एएसपी ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया। साथ ही फोरेंसिक टीम, एमओबी टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

संभागीय आयुक्त की निगरानी में बांसवाड़ा में अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू, उदयपुर में कब होगा?

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। चुनावी मौसम के चले जाने के बाद एक बार फिर से प्रशासनिक अमले को अपने मूल काम के लिए फुर्सत मिली है और धीरे धीरे प्रशासनिक गतिविधियां गति पकड़ने लगी हैं। बांसवाड़ा में आज संभागीय आयुक्त नीरज के पवन ने मोर्चा संभाला और खुद की निगरानी में रोड पर बैठे सब्जी विक्रेता और ठेलागाड़ी संचालकों को हटा दिया। उन्हें बकायदा अन्य जगह पर बैठने के लिए स्थान दिया गया। ऐसा उदयपुर में प्रशासन चाहे तो हो सकता है। खास बात है कि बांसवाड़ा में संभागीय आयुक्त ज्यादा सक्रिय हैं। इससे पहले भी उन्होंने आस पास के जिलों व कस्बों तक में खुद खड़े रह कर रसूखदारों के कब्जे हटवाए हैं। उदयपुर में यह जिम्मा निगम और यूडीए संभालती है। बांसवाड़ा में आज धीरे धीरे कर दोपहर तक पांच दर्जन सब्जी बेचने वालों को बाहर का रास्ता दिखाया गया। इस कार्यवाही के दौरान सरस बूथ में दूध की बजाय सब्जी बेचने पर लाइसेंस निरस्त कर दिया गया। जबकि उदयपुर में शायद ही ऐसा कोई बूथ हो जहां पर अन्य सामग्री नहीं बिकती हो मगर निगम या अधिकारियों की मजाल कि लाइसेंस निरस्त करने जैसा कोई कदम उठाने की सोच ले। बांसवाड़ा में संभागीय आयुक्त नामी गिरामी दुकानदारों के पास भी पहुंचे व उन्हें भी चेतावनी देने में कसर बाकी नहीं रखी। उदयपुर में नामी लोगों के यहां अतिक्रमण दस्ता अचानक मुंह मोड़ लेता है और सालों से हुए अतिक्रमण बच जाते हैं। बांसवाडा में पुराना शहर में चौपहिया वाहन पर दिनभर की पाबंदी लागा वन वे किया गया। आपको बता दें कि उदयपुर में निगम और यूडीए की कार्रवाइयां चुनाव से पहले चलीं थीं और उसे काफी सराहना भी मिली थी मगर अब भी कई रसूखदारों के कब्जों की वजह से जनता में यही परसेप्शन है कि बड़ी मछलियों पर हाथ नहीं डाला जाता। मगर उम्मीद है कि चुनाव गुजर गए हैं, फिर से एजेंसियां एक्शन में आकर इस बार बडे धमाके जरूर करेगी।

स्वच्छता के सिपाहियों को मिले रिफ्लेक्टर वाले ऐप्रीन

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। नगर निगम की ओर से सफाई कर्मचारियों को गुरुवार से ऐप्रीन उपलब्ध करवाएं गए। अब से प्रतिदिन सभी सफाई कर्मचारी ऐप्रीन पहनकर ही कार्य करेंगे। हालांकि निगम के सफाई कर्मचारियों का एप्रीन पहनना बहुत ही बेसिक बात है और यह बरसों पहले ही हो जाना चाहिए था मगर देर आए दुरूस्त आए। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश ने बताया कि गुरुवार को नगर निगम के सफाई कर्मचारियों को ऐप्रीन का वितरण शुरू किया गया, अगले 2 दिनों में सभी कर्मचारियों को एप्रीन उपलब्ध हो जायेगे। अब से सभी सफाई कर्मचारी ऐप्रीन पहन कर ही सफाई कार्य करेंगे जिससे कार्य करते वक्त सफ़ाई कर्मचारियों की पहचान हो सके एवं सफाई कार्य के दौरान वह अपने आप को हाइजीन भी रख सके। सभी कर्मचारियों को प्रतिदिन ऐप्रीन पहनकर ही अपने कार्य स्थल पर पहुंचने को लेकर पाबंद भी किया गया है। आयुक्त राम प्रकाश ने बताया कि सफाई कर्मचारियों को उपलब्ध कराए ऐप्रीन पर रिफ्लेक्टर लगाए गए हैं जिससे सुबह और रात को सफाई कार्य करने वाले कर्मचारियों की दूर से भी आसानी से पहचान की जा सकेगी। यह रोड सेफ्टी और सिक्योरिटी के लिए भी जरूरी है।

28 महीने के 800 और 690 ग्राम के एक्सट्रीम प्री मैच्योर जुड़वा बच्चों को दिया नया जीवन

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। पारस हॉस्पिटल में 28 हफ्ते में (प्रीटर्म) जन्मे याने कि 9 सप्ताह पहले दुनिया में आ गए दो जुडवा बच्चो को डाक्टरों ने इंटेंसिव मॉनिटरिंग, क्रिकटकल केयर से नया जीवन दे दिया। बच्चे अब स्वस्थ हैं व मेडिकल केयर के साथ सामान्य जीवन जी रहे हैं। जुड़वा भाई बहन का जन्म के समय था 800 और 690 पौंड वजन जुड़वां बच्चों की इमरजेंसी डिलीवरी गायनेकोलॉजी - ऑब्बाटे ट्रैक्स की सीनियर कंसल्टेंट डॉ शीतल कौशिक द्वारा की गई। इस केस में जन्म के तुरंत बाद शिशुओं को उनके समय से पहले जनो फेफड़ों के कारण भयानक समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन शिशुओं के श्वसन कार्य को सहारा देने के लिए इंटयू-बेशन, वेंटिलेशन और सफैक्टेट घेरेपी की आवश्यकता थी। जन्म के दौरान कम वजन और समय से पहले फेफड़ों के विकास की चुनौतियों का सामना करते हुए पारस हेल्थ उद-यपुर के निओनेटोलॉजीस्ट डॉ आशिष घिटे ने इलाज किया और समय से पहले जन्मे शिशुओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपचार सफैक्टेट दिया, इस उपचार की वजह से शिशुओं के श्वसन तंत्र के विकास में मदद मिली। निपोटोलॉजिस्ट डॉ आशिष चिटे ने कहा, जन्म के समय अल्पत कम वजन वाले पे जुड़वाँ बच्चे बहुत ही नाजुक स्थिति में थे। उन्हें समय से पहले जन्म लेने के कारण होने वाली अनेक समस्याओं का समाधान करने के लिए इंटेसिव और स्पेसिलाइज्ड उपचार की आवश्यकता थी। इन समस्याओं में हृदय और मस्तिष्क संबंधी समस्याए, इन्फेक्शन्स, साथ ही आंत संबंधी समस्याएं शामिल थीं। इतनी परेशानियों के बावजूद पारस हेल्थ के डॉक्टरों ने जुड़वा बच्चों को स्टेबिलाइज स्थिर) करने के लिए लगभग दो महीने तक मेहनत किया, धीरे-धीरे फिर उन्हें फिर रे-स्पिरेट्री सपोर्ट से हटाया गया और उन्हें ओरल फीडिंग पर शिफ्ट किया। आज लड़के का वजन 1,840 ग्राम और लड़की का 1,940 ग्राम है।

बूचड़खाने ले जाते 20 गौवंश करवाए आजाद, तीन तस्कर गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

सलूम्बर जिले की झल्लारा पुलिस ने आज अवैध रूप से बूचड़खाने ले जाते गौवंश को आजाद करवाया। थाना अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह और उनकी टीम ने यह कार्रवाई की है। बताया गया है कि तस्करों के कब्जे से 20 गौवंश को आजाद करवाया गया है। मामले में तीन तस्कर जगदीश, मदन और नाथूलाल बंजारा को गिरफ्तार किया गया हैं पुलिस की पूछताछ में तस्करों ने बताया कि वे गौवंश को गुजरात स्थित बूचड़खाने में ले जा रहे थे।, गोवंश को आजाद करवाकर ईडाणा माता गौशाला भेजा गया हैं। आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

स्पोर्ट्स में कॅरियर बनाना है तो 8 तक फार्म भेजो, 22 खेल अकादमियों में एडमिशन का मौका

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। जो बच्चे स्पोर्ट्स में कॅरियर बनाना चाहते हैं ये खबर उनके लिए खास है। राजस्थान की 22 खेल एकेडमी में प्रवेश के लिए 11 मई से जयपुर के एसएमएस

स्टेडियम में सलेक्शन ट्रायल हो। यह ट्रायल 17 मई तक चलेगी। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की ओर से चयन ट्रायल का शेड्यूल जारी किया है। ट्रायल के पहले दिन 11 मई को तीरंदाजी, हॉकी व कबड्डी की एकेडमी के लिए ट्रायल होगा। इसमें पंजीकरण, मेडिकल व बेटरी टेस्ट लिया जाएगा। 12 मई को वॉलीबॉल, कुश्ती व साइक्लिंग एकेडमी के लिए ट्रायल होंगे। 13 मई को एथलेटिक्स व हैंडबॉल एकेडमी के लिए ट्रायल होगा। 14 मई को बालक वर्ग में पैरा खेल अकादमी एथ-लेटिक्स व पावर लिफ्टिंग का चयन ट्रायल होगा। 16 मई को बास्केटबॉल और फुटबॉल एकेडमी में प्रवेश के लिए ट्रायल किया जाएगा। ट्रायल के लिए खिलाड़ियों के खुद के खर्चे पर जयपुर पहुंचना होगा। बालक वर्ग में अभ्यर्थी की न्यूनतम उम्र 14 और अधिकतम उम्र 18 साल है। वहीं बालिका वर्ग में उम्र 13 से 17 साल है। बास्केटबॉल सीनियर वर्ग में न्यूनतम 18 और अधिकतम 20 वर्ष है। एकेडमी में प्रवेश के लिए अविवाहित अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकते हैं। जिला खेल अधिकारी अजीत जैन ने बताया की चयन स्पर्धा में भाग लेने हेतु खिलाडी अपना आवेदन राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की वेबसाईट से डाउनलोड किया जा सकता है। खिलाडी अपना आवेदन सचिव, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, सवाई मानसिह स्टेडियम जयपुर दिनांक 08.05.2024 तक डाक/कुरियर द्वारा भिजवाया जा सकता है। चयन स्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाडियो को यात्रा, आवास एवं भोजन का स्वयं अपने स्तर पर वहन करना होगा एवं खिलाडी स्वय की जिम्मेदारी पर चयन स्पर्धा में सम्मिलित होगा। चयन स्पर्धा के समय अपने मुल दस्तावेज साथ लेकर आयेगे। वह स्पर्धा में खेल किट में उपस्थित होना आवश्यक है चयन स्पर्धा आयोजन के दौरान खिलाडी के साथ किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर सम्बन्धित खिलाडी स्वयं/अभिभावन जिम्मेदार होगे एवं परिषद की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

हथियारों से लेस रंगदारी वसूलने आए आधा दर्जन बदमाश, सुपरवाइजर व मजदूरों को पीटा

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

सलूम्बर । जिले के सलूम्बर थाना क्षेत्र में एक माइंस पर

हथियार बन्द आधा दर्जन लोगों ने धावा बोलते हुए माइंस के सुपरवाइजर व मजदूरों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। ये लोग रंगदारी वसूलने आए थे। वसूली की मांग पूरी नही करने पर जिंदा गाड़ने की धमकी तक दे दी। पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के जावद चौकी क्षेत्र के में स्थित माईन्स महावीर ट्रेडिंग वेण, सरवणी, के सुपरवाइजर राधेश्याम पिता वालचन्द खटीक निवासी चित्तौड़गढ़ ने थाने में रिपोर्ट दी कि बेण्ड माइंस महावीर ट्रेडिंग, वेण सरवणी पर अपने ऑफिस में बैठकर काम कर रहा था कि शंकर पिता होमा मीणा, लोगरा पिता होमा मीण, खुमा व उसके साथ तकरीबन 4 से 5 लोग जो वेण सवरणी रहते है हाथ मर लट्ठ तलवार भाला, पत्थर लेकर गाली गलोच करते हुए उसके ऑफिस में घुस गये तथा कहने लगे कि लोकल नहीं है बाहर का आकार मजदूरी करता है। यहां हमारी दादागिरी चलती है। यदि तुमको यहां काम करवाना है तो प्रति मजदूर 20 रुपये अभि-युक्तों को देने पड़ेंगे, यही नही लोकल लोगों को भी नोकरी पर रखना होगा। हथियार लहराते हुए अभियुक्तों ने उसके साथ मारपीट करने लगे व बाद में घसीट करके ऑफिस के बाहर खिंच करके ले आये। घसीटते हुए हो हल्ला होने पर उसके साथ काम करने वाले अन्य मजदूर भगवान पिता रमेश मीणा निवासी धावडीमंगरी, विषणाराम पिता जयरामजी निवासी मकराना हाल दोनो निवासी वेण माईन्स वेण ने बीच बचाव किया तो सभी ने उनके साथ भी मारपीट की। धमकी देते हुए अभियुक्तों ने कहा कि हमारी बार मान लेना अन्यथा हत्या करके जिंदा गाड़ने की धमकी देदी। मामले की रिपोर्ट लेकर पुलिस ने अनुसंधान शुरू कर दिया है।

24 न्यूज अपटेड
देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए
हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल
ताजा खबरें देखने के लिए
हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें
YouTube
24 NEWS UPDATE
हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें
लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।